

सहायक प्राध्यापक परीक्षा- 2017

पाठ्यक्रम

विषय :- संस्कृत प्राच्य

वैदिक साहित्य का सामान्य अध्ययन

वैदिक साहित्य— वेदकाल निर्णय, संहिता परिचय, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांत, ऋग्वेद सूक्त — अग्निसूक्त, इन्द्रसूक्त, वाक्सूक्त, नासदीयसूक्त, पुरुषसूक्त, हिरण्यगर्भसूक्त, पुरुखा—उर्वशी संवादसूक्त, यम—यमीसंवादसूक्त, विश्वामित्र — नदीसंवादसूक्त, सरमा—पाणिसंवादसूक्त।

यजुर्वेद—अथर्ववेद—सूक्त — शिवसंकल्पसूक्त, पृथ्वीसूक्त, राष्ट्राभिवर्धनसूक्त।

ब्राह्मण आरण्यक साहित्य — वाङ्मनः संवाद (शतपथब्राह्मण अ.4 ब्रा.5)
पंचमहायज्ञ (तैत्तिरीयांरण्यक प्रपा. 2 अनु. 10)
शुनःशेष—आख्यान (ऐतरेयब्राह्मण अ.33)

पुराणेतिहास — पुराणशब्दार्थ, लक्षण, परिचय, प्रतिपाद्य विषय, महत्त्व।

निरुक्त — पदविचार, आख्यातविचार, उपसर्गनिपात, क्रिया के—षड्भावविकार निरुक्त अध्ययन के उद्देश्य— आचार्य, वीर, द्वंद्व, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, की निरुक्तियां।

तैत्तिरीयोपनिषद् — शिक्षावल्ली, भृगुवल्ली पाणिनीय शिक्षा

सन्दर्भग्रन्थ सूची — ऋक्सूक्तसंग्रह, पाणिनीय शिक्षा, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, यजुर्वेद संहिता, अथर्ववेदसंहिता, निरुक्त, तैत्तिरीयोपनिषद्। संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास— डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि

भारतीय दर्शन — तर्कभाषा— प्रत्यक्ष, अनुमान व शब्द प्रमाण।
सांख्यकारिका, पातञ्जलयोगसूत्र —समाधिपाद और साधनपाद,
वेदान्तसार, अर्थसंग्रह — उपपत्ति, विधिविवेचन पर्यन्त, नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय।

सन्दर्भग्रन्थ सूची — तर्कभाषा, सांख्यकारिका, पातञ्जलयोगसूत्र, वेदान्तसार, अर्थसंग्रह, सर्वदर्शन संग्रह। भारतीय दर्शन की रूपरेखा — डॉ. बलदेव उपाध्याय।

प्रालि-प्राकृत और भाषाविज्ञान — धम्मपद (चित्रवग्गो, धम्मवग्गो, बुद्धवग्गो, भिक्खुवग्गो, बाह्मणवग्गो), कप्पूरमज्जरी-प्रथमजवनिकान्तर । भाषास्वरूप वर्गीकरण, ध्वनिविज्ञान और अर्थविज्ञान- ध्वनिपरिचय, उच्चारणस्थान, ध्वनि-परिवर्तन के कारण, अर्थलक्षण, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ, अर्थपरिवर्तन के कारण । भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन —स्फोट चतुर्विध, वाक्पदलक्षण, वाक्यार्थबोध, शब्दार्थसम्बन्ध, शब्दनित्यत्ववाद ।

सन्दर्भग्रन्थसूची — भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र— कपिलदेव द्विवेदी
भाषाविज्ञान — भोलानाथ तिवारी
भाषाविज्ञान की भूमिका — डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
वाक्यपदीय, धम्मपद, कप्पूरमज्जरी—राजशेखर

व्याकरण — लघुसिद्धान्त कौमुदी — संज्ञाप्रकरण, सन्धि प्रकरण, समासप्रकरण, स्त्रीप्रत्यय प्रकरण । वैयाकरणसिद्धान्त कौमुदी —कारकप्रकरण ।

सन्दर्भग्रन्थसूची — लघुसिद्धान्त कौमुदी, वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी ।

धर्मशास्त्र — मनुस्मृति— प्रथम, द्वितीय एवं सप्तम अध्याय ।
याज्ञवल्क्यस्मृति — व्यवहाराध्याय—दायविभागप्रकरण ।
कौटिल्यार्थशास्त्र—प्रथम अधिकरण ।

संदर्भग्रन्थसूची— मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, कौटिलीयार्थशास्त्र ।

साहित्य — काव्यप्रकाश — प्रथम से पञ्चमाध्याय, सप्तम से रसदोष अष्टम उल्लास
नाट्यशास्त्र—षष्ठ-अध्याय
ध्वन्यालोक — प्रथम—उद्योत
औचित्यविचारचर्चा,
साहित्यदर्पण — षष्ठपरिच्छेद

संदर्भग्रन्थसूची — काव्यप्रकाश, नाट्यशास्त्र, ध्वन्यालोक, औचित्यविचारचर्चा, साहित्यदर्पण ।

संस्कृत साहित्य का इतिहास — रामायण, महाभारत, श्रीमद्भागवत, महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्य काव्य, चम्पूकाव्य, रूपक, उपरूपक,

अलंकार शास्त्र का इतिहास — अलंकार —शास्त्र के सम्प्रदायों का परिचय ।
वामन भामह, दण्डी, विश्वनाथ, मम्मट, आनन्दवर्धन, कुंतक, क्षेमेन्द्र,
पण्डितराज, जगन्नाथ, राजशेखर आचार्य एवं उनके ग्रंथ ।

संदर्भग्रन्थसूची — संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि ।
संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ. बलदेव उपाध्याय ।
अलंकारशास्त्र का इतिहास — डॉ. कृष्णकुमार
अलंकार शास्त्रेतिहासः — डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र